एड्स इनफोनेट

AIDS InfoNet

www.aidsinfonet.org

SAATHII
Solidarity and Action Against The HIV Infection in India

फैकटशीट नम्बर 483

IMMUNE RESTORATION SYNDROME
प्रतिरोधक पुनरुद्धार लक्षण समुह

प्रतिरोधक पुनरुद्धार लक्षण समुह क्या है ?

कुछ व्यक्तियों में जिनका एन्टी रेट्रोवाइथ थेरापी शुरु होता है उन्हें स्वास्थ्य समस्या होने लगती है जबकि उनका एच आई भी कन्ट्रोल में आ जाता है। कोई भी संक्रमण जो पहथे या वह फिर से लौट आ सकता है। कई लोगों में नई बीमारी उत्पन्न हो जाती है। यह बीमार व्यक्ति को प्रतिरोधक दामता के सुधार के साथ जुड़ा होता है। ये समस्याएँ साधरणतः एच आई वी थेरापी शुरु करने के दो महीने के अन्दर आरंभ होता है। कभी-कभी इस अवस्था को प्रतिरोध पुनरुद्धार ज्वलन लक्षण समुह या आइरिस (IRIS) कहते है। यह करीब 20% लोगो, स्ट्प जिनका ए आर टी शुरु हो जाता है, पाया जाता है।

इन लक्षण समुह को कैसे चिन्हित किया गया ?

कुछ बीमार लोगों में एच आई वी का इलाज शुरु होने के बाद साइटोमेगलो वाइरस (सी एम वी) उत्पन्न हो जाता था। फैक्टशीट 504 देखे सी एम वी के ज्यादा जानकारी के लिए। कुछ अन्य स्थिति में ये बीमारलोगों में एच आइ वी उपचार शुरु करने से पहले इनका सी एम वी नही पता लगा था।
डाक्टरों ने निष्कर्ष निकाला कि इन बीमार लोगों में सी एम वी का संक्रमण एच आइ वी के उपचार से पहले हुआ था। हाँलाकि उनलोगों का प्रतिरोधक प्रणाली सी एम वी के प्रतिक्रिया के लिए बहुत कमजोर था। जब उनका एच आइ वी उपचार शुरु हुआ तो उनका प्रतिरोधक क्षमता पहले से प्रबल पाया गया। तब उन्होने सी एम वी का प्रत्युत्तर किया। यही वह स्थिति है जब बीमार एक दिखने में नई परिस्थिति वाला सी एम वी बीमारी उत्पन्न करता है।

इस तरह की एक जैसी स्थिति कई बीमार लोगों में अलग-अलग संक्रमण के साथा पाया गया था। इसे 'प्रतिरोधक पुनर्लाभ लक्षण समुह' कहा गया था। शयद मुख्य तथ्य यह है कि प्रतिरोधक प्रणाली पहले से प्रबल होता जा रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि प्रतिरोधक प्रणाली निर्दिष्ट जीवाणु को प्रत्युतर कर रही है। एच आई वी उपचार के पहले इन जीवाणुओ का शायद कोई प्रत्युत्तर नहीं था कयोंकि प्रतिरोधक प्रणाली बहुत कमजोर था।

यहाँ तक कि उन बीमार लोगो में जिनका प्रतिरोधक पुनरुद्धार लक्षण समुह उत्पन्न होता है, एन्टीरेट्रोवाइरल थेरापी लागातार जारी रखना चाहिए।

क्या समस्याएँ उत्पन्न हो सकती है ?

प्रतिरोधक पुनरुद्धार लक्षण समुह निम्नलिखित प्रकार के संक्रमण एव ज्वलन से जुड़ा हुआ है :

साइदोमेगालोवाइरस : प्रतिरोधक पुनरुद्धार लक्षण समुह की ष्ट्वहली स्थिति आँखो मे जलन होने के साथ दिखता है। यह साइटोमेगालोवाइरस में जुड़ा हुआ है जैसा कि पहले बताया गया है।

कॉगनिदिभ (यादास्त एव चितन) समस्याएँ : कुछ लोगों में जैसा कि अब कहा जाता है ज्ञानेन्द्रियाँ की छोटो-मोटी समस्याए उत्पन्न हो जाती है जब वे ए आर टी शुरु करते है। फैक्टरीट - 505 देखे स्नायु तंत्र के समस्या को जानकारी के लिए।

क्रिप्टोकोकल मेनिनजाइटिस : ज्यादा जानकारी के लिए फैकटशीट 503 देखे। प्रतिरोधक पुनः संरचना के लक्षण समुह सरदर्द है।

हेपाटाइटिस बी एवं सी : इनमे से कुछ लोगों को हेपाटाइटिस सी था जिसे पहले नहीं पता चला था फैक्टशीट 506 एवं 507 में हेपाटाइटिस के बारे में और जानकारी दी गइ है।
हरपिस जोस्टर (शिंगल्स) एवं हरपिस सिम्पलेकस फैल गया।
प्रोग्रेसिभ मलटफोकला लिउको

इनसिफेलोपेंथी (पी एम एल) : फैक्टशीट 516 देखे इस दिमागी वाइरल संक्रमण के लिए। प्रतिरोधक पुनर्लाभ एक कारण हो सकता है पी एम एल के गंभीर स्थिति का।

A project of the New Mexico AIDS Education and Training Center. Partially funded by the National Library of Medicine
Fact Sheets can be downloaded from the Internet at http://www.aidsinfonet.org

सूजा हुआ लिम्फ नोड्स : इसे 'लिम्फेडेनोपैथी' भी कहा जता है। यह साधरण प्रतिरोधक सक्रियता को सूचित कर सकता है।

प्यूबरक्लोसिस : ज्यादा जानकारी के लिए फैक्टशीट 518 देखे।

कौसे इन लक्षण समुह का इलाज हुआ ?

प्रतिरोधक पुनरुद्धार के लिए कोई निर्दिष्ट उपचार नहीं है। लगातार एच आइ भी के उपचार से प्रतिरोधक प्रणाली प्रबल होती है। यह साधरणतः किसी भी उत्पन्न हुए संक्रमण का देखभाल करती है।

हाँलाकि कुछ स्थिति में डॉक्टर प्रतिरोधक प्रणाली के पुनर्लाभ के प्रक्रिया को धीमा कर देते है। धीरे-धीरे इसकी प्रबलता बढ़ाकर उन्होंने प्रतिरोधक पुनरुद्धार के कुछ प्रत्युत्तर को रोका है। यह कोशिश उनलोगों पर की गई है जिनका एच आइ वी उपचार शुरु होने से पहले सीडी 4 कोरा का संख्या बहुत कम था।

स्टेरॉयड औषध जैसे कि प्रेडनिसोन का व्यवहार कर के प्रतिरोधक प्रत्युत्तर को धीमा किया जा सकता है। यह ज्वलन को कम कर सकता है जबकि प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूत बनाता है।

आधारसूत निष्कर्ष : प्रतिरोधक पुनरुद्धार लक्षण समुह तब उत्पन्न हो सकता है जब कुछ लोगो में बुखार एवं लिम्फ नोड़स में सूजन हो गया था। दूसरों को शरीर के विभिन्न हिस्से में ज्वलन था। ये समस्याएँ ज्यादा बढ़ा हुआ दिखता था बीमार व्यक्ति के सी डी -4 संख्या के बढ़ने के बाद (फैक्टशीट-124 देखे) और वाइरस का भार कम होने पर (फैक्टशीट-125 देखे)

बूरी खबर - या अच्छी ?

कोइ नहीं चाहता कि ज्वलन या संक्रमण उत्पन्न हो। हाँलाकि ज्यादातर पतिरोधक पुनर्लाफ की स्थिति लगातार एच आई वी उपचार के साथ चला जाता है।
फैक्टशीट 509 में शिंगल्स के बारे में ज्यादा जानकारी दी गई है फैक्टशीट 508 में हरपिस सिम्पले कस के बारे में (65 धाव एवं यौनाग हरपिस) कहा गया है।

मोलसकम (एक चर्म संक्रमण है। फैक्टशीट 513 देशे)।

माइकोवैक्टेरियम एभियम कमप्लेकस (एम ए सी) :

यह एक सुअवसर वाला संक्रमण है जो कि यक्ष्मा रोग से जुड़ा हुआ है।

यह प्रतिरोधक पुनर्लाभ के समय ज्यादा ममक उढ़ता है।
एम ए सी (मैक) प्रतिरोधक पुनर्लाभ के दैरान असमान्य लक्षण दिखा सकता है। फैक्टशीट 514 में मैक के बारे में ज्यादा जानकारी है। लोग जिनका कि प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर है। अपनी एच आइ वी की उपचार शुरु करने है अगर उनका प्रतिरोधक क्षमता का शीघ्र पुनर्लाभ होता है (ज्यादा सीडी 4 केश संख्या एवं कम वाइरस का दवाब), यह कुछ जीवाणु जो कि शरीर में पहले से उपस्थित थे, उनके प्रति प्रबल प्रत्युत्तर हो सकता है। यह साधरणत कुछ भिन्न प्रकार के ज्वलन को दिखाता है।
कुछ अलग प्रकार के सुयोगी संक्रमण को प्रतिरोध पुनरुद्धार से जोड़ा गया है।

यह लक्षण समुह प्रतिरोधक स्वास्थ्य के सुधार का चिहन है। साधारणतः इसका कोई उपचार नही होता। लगातार एच आइ वी थेरापी किसी भी समस्या का ध्या रखता है। कुछ असाधारण स्थिति में, प्रतिरोधक क्षमता को स्टेरॉयड् से दबा दिया जाता है, ज्वलन को कम करने के लिए।

पुनःसंशोधन जुन, 18,2010

A project of the New Mexico AIDS Education and Training Center. Partially funded by the National Library of Medicine
Fact Sheets can be downloaded from the Internet at http://www.aidsinfonet.org